HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE (HFRI), SHIMLA

Celebrations of International Day for Biological Diversity
[22nd May 2016]

Biodiversity is the foundation of life on the **Mother Earth** and sustains essential services provided by the particular ecosystems. The convention on Biological Diversity (CBD) was negotiated by United Nations on **22nd May 1992** and since then 22nd May is being celebrated as **International Day for Biological Diversity**. In view of its importance and recognition at the international level, Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla celebrated this important event on **22nd May, 2016** with special reference to this year's theme **"Mainstreaming Biodiversity: Sustaining people and their Livelihoods".**

During the celebrations, about 33 students from five different government schools located in Shimla namely, Government Senior Secondary School, **Phagli**; Government Girls Senior Secondary School, **Portmore**; Government Senior Secondary School, **Chhota Shimla**; Government High School, **Tutikandi** and Saraswati Vidya Mandir, **Vikasnagar** participated in this programme. Various activities like Quiz competition, Painting competition, Slogan Writing, Drawing and Declamation contest were organized on the **specific themes** with the objective to make the students aware of the importance of this day.

At the beginning, **Dr. Ranjeet Kumar, Scientist-D,** Coordinator of this event welcomed the children and teachers of the participating schools. **Dr. V.P. Tewari, Director, HFRI, Shimla,** while addressing the participants and the scientists of the institute, highlighted various measures and methods, those can be adopted for conservation of biological diversity. During his inaugural address, he emphatically highlighted the efforts both at the national and international level towards conservation of biodiversity. In his address, he weaved into the role, the students can play while achieving this goal. Having said this, he formally inaugurated the day's programme.

Dr. K.S. Kapoor, Scientist-G and Group Coordinator Research gave a detailed and informative presentation on the importance of biodiversity in the present day context. Through his presentation, he suggested various management plans for

the conservation of biodiversity and also appraised the school children the motive behind organizing such events.

In this one day event, various competitions viz. Quiz, Painting, Slogan Writing, Drawing and Declamation contest with special reference to the theme were organized. **In Quiz Competition,** the team comprising of Mr. Deepak Pal and Mr. Mohit of Government High School, Tutikandi, Shimla got the first position whereas, the teams of Ms. Ambika and Mr. Kush from Saraswati Vidya Mandir, Vikas Nagar, Shimla and Ms. Mokshika and Ms. Prachi from Government Girls Senior Secondary School, Portmore, Shimla were placed at the second and third places. **In Slogan writing Competition,** Mr. Arvind of Government Senior Secondary School, Chhota Shimla, Ms. Vedanshi of Government Girls Senior Secondary School, Portmore and Mr. Gaurav of Saraswati Vidya Mandir, Vikasnagar, Shimla were placed in first, second and third positions, respectively. Ms. Sakshi of Government Senior Secondary School, Phagli, Ms. Shabnam Samraik of Government Girls Senior Secondary School, Portmore and Mr. Ravi Negi of Government High School, Tutikandi, Shimla secured first, second and third place in **Painting Competition.** The first, second and third prize in **Declamation Contest** went to Ms. Hari Priya Sharma of Government Girls Senior Secondary School, Portmore, Mr. Rahul of Government Senior Secondary School, Chhota Shimla and Ms. Tejaswinee of Government High School, Tutikandi, Shimla.

The students, who were the winners in the competition, were given the prizes and certificates, whereas, other participating students were given the certificate of participation by **Dr. V. P. Tewari, Director**, Himalayan Forest Research Institute, Shimla.

In the end, **Dr. R. K. Verma, Scientist-F,** from the Division of Ecology and Biodiversity Conservation, HFRI, Shimla thanked all the students and teachers for their participation in making this event a grand success. He hoped that the students might have definitely got inspired from this celebration and will surely learn something to practice in their day-to-day life.

****

Some Glimpses of the Event

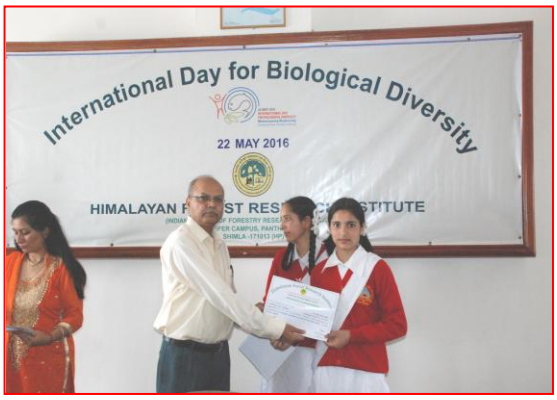

NEWS ITMES ON IBD 22 May 2016 PUBLISHED IN VARIOUS NEWSPAPERS

Dainik Bhaskar

कार्यक्रम एचएफआरआई में मनाया जैव विविधता दिवस, चित्रकला में फागली स्कूल की साक्षी प्रथम

जैव विविधता को होता दोहन, चिंता का विषय

सिटी रिपोर्टर| शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला की ओर से रविवार को संस्थान के परिसर में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम में शिमला के पांच स्कूलों, जिसमें छोटा शिमला, पोर्टमोर, फागली, टूटीकंडी एवं सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर के लगभग 33 विद्यार्थियों व अध्यापकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में जैव विविधता से जुड़े प्रश्नोत्तरी , पेंटिंग, नारा लेखन तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि जैव विविधता किसी तंत्र के स्वास्थ्य का द्योतक है, परंतु असंख्य मानवीय गतिविधियों के चलते जैव विविधता का लगातार दोहन हो रहा है, अतः इसका संरक्षण एक वैश्विक चिंता का विषय बन गया है।

जैव विविधता दिवस पर पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूली बच्चे।

संस्थान के वैज्ञानिक व कार्यक्रम के समन्वयक डॉ रणजीत कुमार ने कार्यक्रम की जानकारी दी। संस्थान के निदेशक डॉ वीपी तिवारी ने सभागार में मौजूद सभी प्रतिभागियों व अन्य वैज्ञानिकों से इस ज्वलंत मुद्दे पर अपना यथायोग्य योगदान देने के लिए आह्वान किया। उन्होंने जैव विविधता के संरक्षण की महत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी। उसके बाद संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक व समन्वयक शोध डा. केएस कपूर ने एक प्रेजेंटेशन भी दी।

यह रहे विजेता

चित्रकला प्रतियोगिता में फागली स्कूल की छात्रा साक्षी ने प्रथम, पोर्टमोर की शबनम शमरैक ने द्वितीय तथा टूटीकंडी के रवि नेगी ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रश्नोतरी टूटीकंडी स्कूल के दीपक पाल, मोहित ने प्रथम स्थान, सरस्वती विद्यामंदिर विकासनगर के अंबिका, कुश ने द्वितीय तथा पोर्टमोर की मोक्षिका, प्राची ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं नारा लेखन में छोटा शिमला स्कूल के अरविंद ने प्रथम, पोर्टमोर की वेदांशी द्वितीय व सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर के गौरव ने तृतीय स्थान इटका। भाषण प्रतियोगिता में पोर्टमोर की हरी प्रिया शर्मा प्रथम, छोटा शिमला स्कूल राहुल द्वितीय तथा टूटीकंडी स्कूल की तेजस्वनी तृतीय रही। संस्थान के निदेशक डॉ वीपी तिवारी व समूह समंवयक डॉ केएस कपूर ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

Himachal Dastak

शिविर जैव विविधता केंद्र शिमला में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया

प्रश्न मंच में दीपक और मोहित प्रथम

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा रविवार को संस्थान परिसर में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया। शिविर में शिमला के पांच विद्यालयों छोटा शिमला, पोर्टमोर, फागली, टूटी कंडी तथा सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर के लगभग 33 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें विद्यार्थियों के साथ अध्यापकवर्ग भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रश्न मंच, चित्रकारी, नारा लेखन तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्न मंच में टूटीकंडी के छात्र दीपक पाल व मोहित ने प्रथम, सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर के कुश व अंबिका ने द्वितीय व पोर्टमोर की मोक्षिका व प्राची ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला में फागली की साक्षी ने प्रथम, पोर्टमोर की शबनम शमरैक ने द्वितीय व टूटीकंडी के रवि नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि नारा लेखन में छोटा शिमला के अरविंद ने प्रथम, पोर्टमोर की वेदांशी ने द्वितीय व सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर के गौरव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा भाषण प्रतियोगिता में पोर्टमोर की हरीप्रिया शर्मा ने प्रथम, छोटा शिमला के राहुल ने द्वितीय तथा टूटीकंडी की तेजस्वनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्थान के वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रणजीत कुमार ने स्कूलों से आए अध्यापकों व विद्यार्थियों का स्वागत किया। संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने जैव विविधता के संरक्षण की महत्वता बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं समन्वयक शोध डॉ. केएस कपूर ने एक प्रेजेंटेशन प्रस्तुत की। समारोह के आखिर में संस्थान के निदेशक डॉ वीपी तिवारी व डॉ. केएस कपूर, समूह समन्वयक अनुसंधान ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। बीर रहे कि जैव विविधता किसी तंत्र के स्वास्थ्य का द्योतक है, लेकिन असंख्य मानवीय गतिविधियों के चलते जैव विविधता का लगातार दोहन हो रहा है। इसका संरक्षण एक वैश्विक चिंता का विषय बन गया है। जैव विविधता के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास हेतु संयुक्त राष्ट्र द्वारा जैव विविधता की शुरुआत मई 1992 में की गई थी। इसके बाद 2010 में जैव विविधता को अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया गया है। इसके साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि वर्ष 2010 से 2020 तक जैव विविधता के दशक के तौर पर मनाया जाएगा और हर वर्ष जैव विविधता से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर पूरे विश्व में चर्चाएं होंगी। तभी से प्रत्येक वर्ष 22 मई का दिन अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य जैव विविधता एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के साथ राजनीतिक चेतना को जागृत करना व आम जनता को इस दिशा में प्रेरित करना भी है।

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा आयोजित शिविर में भाग लेते बच्चे व विजेताओं को पुरस्कृत करते आयोजक।

Divya Himachal

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में नवाजे होनहार

■ कार्यालय संवाददाता, शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा रविवार को संस्थान के परिसर में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिमला के पांच विद्यालयों 'राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटा शिमला, राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय पोर्टमोर, राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल फागली, राजकीय उच्च विद्यालय स्कूल टूटीकंडी एवं सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर के लगभग 33 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों के साथ अध्यापक वर्ग भी कार्यक्रम में मौजूद रहा। इस एक दिवसीय आयोजन में जैव विविधता से जुड़े प्रशनमंच, चित्रकारी, नारा लेखन तथा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्थान के वैज्ञानिक व कार्यक्रम के समन्वयक डा. रणजीत कुमार ने प्रारंभ में विद्यालयों से आए अध्यापकों व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निदेशक डा. वीपी तिवारी से इस विषय पर विचार व्यक्त करने हेतू आग्रह किया। इस दौरान प्रश्न मंच प्रतियोगिता, चित्रकारी प्रतियोगिता, नारा लेखन व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डा. वीपी तिवारी व डा. केएस कपूर ने प्रतियोगिता विजेता रहे छात्रों को सम्मानित किया।

दिव्य हिमाचल Mon, 23 May 2016
epaper.divyahimachal.com/c/

Amar Ujala

न्यूज डायरी

दीपक, मोहित, साक्षी, अरविंद प्रथम

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान कीओर से सोमवार को संस्थान परिसर में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिमला के पांच विद्यालयों राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छोटा शिमला, टूटीकंडी, फागली के अलावा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पोटमोर और सरस्वती विद्या मंदिर विकासनगर के लगभग ३३ छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रश्न मंच, चित्रकारी, नारा लेखन और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में टूटीकंडी के छात्र दीपक और मोहित ने प्रथम, विकासनगर के अंबिका और कुश ने दूसरा, जबकि पोर्टमोर की छात्राऐं मोक्षिका और प्राची ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चित्रकारी प्रतियोगिता में फागली की साक्षी ने प्रथम, पोर्टमोर की शबनम और शमरैक ने द्वितीय जबकि टूटीकंडी के रवि नेगी ने तीसरा स्थान पाया। नारा लेखन प्रतियोगिता में छोटा शिमला के अरविंद ने प्रथम, पोर्टमोर, विकासनगर स्कूल की वेदांशी और गौरव ने दूसरा, तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में पोर्टमोर की हरी प्रिया ने प्रथम, छोटा शिमला के राहुल ने द्वितीय और टूटीकंडी के तेजस्वनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डा. वी.पी तिवारी और के.एस कपूर ने प्रतियोगिताओं में अव्वल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। जैव विविधता दिवस के अवसर पर डा. रणजीत कुमार ने सभी विद्यालय से आए अध्यापक वर्ग और अन्य गणमान्य लोगों का धन्यवाद किया।